Bareilly, Sunday,
13 July 2025
BAREILLY EDITION
Price ₹3.50/-
Pages 12

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO : 04 MIDDLE

250 ग्राम का ब्रेन अभी तक रहस्य

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में एआई से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति पर सीएमई

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (12 July): आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बोलबाला है. इसकी क्षमताओं, विशेषताओं और उपयोगिता पर कोई संदेह नहीं लेकिन यह ईश्वर के बनाए इंसान से बढ़ कर नहीं. अभी तक इंसान ढाई सौ ग्राम के दिमाग को नहीं समझ पाया. 2.5 गीगाबाइट की क्षमता वाले दिमाग के तमाम रहस्य अभी अनजान हैं. एआई का दौर संभव है दिमाग के रहस्यों को समझने में मदद करे. यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने एआई से न्यूरोएनाटॉमी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर आयोजित सीएमई में कही. सीएमई में देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर विभिन्न व्याख्यान दिए. सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के साथ चेयरमैन देव मूर्ति, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, डा.एमएस बुटोला, सीएमई की ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन व एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डा. नमिता मेहरोत्रा, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. शंभु प्रसाद, विशिष्ट अतिथि डा. नवनीत चौहान ने दीप प्रज्वलित कर सीएमई का इनॉग्रेशन किया. डा. नवनीत ने सीएमई की सराहा और इसे एमबीबीएस विद्यार्थियों के साथ ही एसआर और फैकल्टी के लिए भी महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध उच्च कोटि की सुविधाओं और इससे मरीजों को होने वाले लाभ को भी सराहा.

एसआरएमएस में हुआ कार्यक्रम

को सराहा और इसे महत्वपूर्ण बताया. सीएमई में एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए हिस्टोलाजी मैनुअल पुस्तक का विमोचन किया गया.

एनाटॉमी विभाग में सीएमई

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शनिवार को एनाटॉमी विभाग की ओर से एआई से न्यूरोएनाटॉमी शिक्षा और इसके चिकित्सकीय परिणाम से मस्तिष्क विज्ञान में क्रांति विषय पर सीएमई का आयोजन हुआ. इसमें इसमें देश के नामचीन चिकित्सकों ने स्वास्थ्य शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर विभिन्न व्याख्यान दिए. सरस्वती वंदना और